Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding railway job issue.

श्री अधीर रंजन चौधरी (**बहरामपुर**): माननीय अध्यक्ष महोदय, जब इस साल दिल्ली और पूरे हिन्दुस्तान में प्रजातंत्र दिवस के समारोह मनाए जा रहे थे, उस समय हमने देखा कि उत्तर प्रदेश और बिहार में हमारे बेकार नौजवानों के ऊपर, छात्रों के ऊपर पुलिस ने लाठियाँ बरसाईं, पुलिस उनको लहूलुहान कर देती है।

माननीय अध्यक्ष : आपका विषय क्या है?

श्री अधीर रंजन चौधरी : बेकार नौजवानों की मांग थी कि हमें नौकरी दी जाए । वर्ष 2019 से हमारे देश का जो रेल मंत्रालय है, आरआरबी की तरफ से नोटिफिकेशन जारी करके सबको बुलाया गया कि तुम्हें नौकरी मिलेगी, तुम इस टेस्ट में शामिल हो जाओ । एक साल पूरा होते-होते, तीन सालों के बाद भी किसी को नौकरी मिलने की कोई उम्मीद नहीं बची, तो छात्र और छात्राओं ने देखा कि धांधली के चलते, चीटिंगबाजी के चलते, घोटाले के चलते उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है । …(व्यवधान) इस कारण वे रेल की पटरी पर उतरकर अपना रोष व्यक्त करने की कोशिश कर रहे थे । हम कभी हिंसा के आंदोलन का समर्थन नहीं करते, लेकिन उस समय रेलवे की अथॉरिटी की अनदेखी के चलते, उनकी लापरवाही के चलते, लाखों की तादाद में छात्र और बेरोजगार नौजवान जो उम्मीद कर रहे थे, उनकी उम्मीद टूट गई है । … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : कर्नल राज्यवर्धन राठौर जी, क्या आप बोलना चाहते हैं?

… (<u>व्यवधान</u>)

श्री अधीर रंजन चौधरी: सर, चौंकाने वाली बात यह है कि 1 करोड़ 25 लाख नौजवानों को बुलाया गया, जबकि नौकरियों की संख्या सिर्फ 35 हजार थी । …

(व्यवधान) हमारे देश में आज रोजगार की स्थिति क्या है, इससे आप खुद पता कर सकते हैं। …(व्यवधान)

कर्नल (सेवानिवृत) राज्यवर्धन राठौर (जयपुर ग्रामीण) : अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपका और पूरे सदन का ध्यान राजस्थान में टीचर्स रिक्रूटमेंट एग्ज़ामिनेशन में हो रहे बहुत बड़े स्कैम की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। …(व्यवधान) Rajasthan Eligibility Examination for Teacher (REET) चार सालों के बाद यह इम्तेहान हुआ है, जो वर्ष 2017 के बाद पहली बार हो रहा था। …(व्यवधान) चार सालों से अध्यापकों की नौकरी के लिए परीक्षा नहीं हो रही थी, बड़े पैमाने पर, बड़ी तादाद में रिक्रूटमेंट एग्ज़ाम के लिए लोग आए थे। …(व्यवधान) इसमें लाखों कैंडिडेट्स ने हिस्सा लिया था। …(व्यवधान) इसमें 31,000 पोस्ट्स थीं। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री हनुमान बेनीवाल जी, आप क्या बोल रहे हैं?

… (<u>व्यवधान</u>)